**Introduction to HTML (Hypertext Markup Language)**

HTML information को सुन्दर और आकर्षक तरीके से World Wide Web में present करने का एक माध्यम है। HTML Tim Berners lee के द्वारा 1991 में create की गयी थी। HTML World Wide Web Consortium (W3C) द्वारा एक standard के रूप में manage की जाती है। W3C एक international community है जो web standards create और manage करने का कार्य करती है।

जब एक technology या language standard के रूप में चुन ली जाती है तो सभी platforms, developers और organizations बिना किसी शर्त के उसे follow करते है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है की आप कौनसा operating system या editor use कर रहे है webpages create करने के लिए हमेशा HTML का ही प्रयोग किया जाता है।

HTML में create किये गए web pages को सभी platforms पर देखा जा सकता है। इसके लिए आपको किसी प्रकार के special platform या software की आवश्यकता नहीं होती है। HTML platform independent है।   
  
आइये अब सबसे पहले HTML का मतलब समझने का प्रयास करते है। HTML की full form Hyper Text Markup Language होती है। इनमें से हर word का एक विशेष अर्थ है जिसे नीचे detail से समझाया जा रहा है।  
  
**Hyper**

Hyper का मतलब होता है की HTML sequence में नहीं काम करती है। जैसा की किसी programming language में होता है, एक statement के बाद अगला statement execute होता है। यदि किसी HTML file में link है और यूज़र उस पर  click करता है तो वो execute हो जाती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है की उससे पहले कितने elements है और वो सभी load हुए है या नहीं। एक HTML file के सभी elements independent होते है।  
  
ये भी जरुरी नहीं की किसी एक HTML file से पहले कोई दूसरी HTML file execute नहीं हो सकती है। HTML elements की ही तरह सभी HTML files भी एक दूसरे से independent होती है।

**Text**

किसी webpage में text सबसे महत्वपूर्ण होता है। Text ही वह information होती है जिसे present करने के लिए webpage design किया जाता है। HTML text को format करके webpages में present करने के लिए यूज़ की जाती है।

**Markup**

Markup का मतलब text के layout और style को format करना होता है। आप text को tags के द्वारा mark करते है। जिस प्रकार के tags द्वारा text को mark किया जाता है वैसे ही text web page में show होता है।  
  
उदाहरण के लिए यदि आप किसी text को <h1> tag के द्वारा mark करते है तो webpage में वह text बड़ी और bold heading के रूप में दिखाई देगा।   

**Language**

HTML एक language है जो web development के लिए यूज़ की जाती है।

**So what is HTML? (A simple definition in plain Hindi)**

HTML एक Hyper Text Markup Language है जो web pages create करने के लिए use की जाती है। HTML के विभिन्न tags को use करते हुए आप webpages create करते है और उनमें विभिन्न elements जैसे की images, audio, video, tables, lists, links और text आदि add करते है।  
  
Web desinging के क्षेत्र में सीखी और सिखायी जाने वाली HTML सबसे पहली language होती है। HTML के साथ [CSS](http://www.besthinditutorials.com/2016/03/css-in-hindi-introduction_30.html) का भी प्रयोग किया जाता है जो webpage को और भी बेहतर design करने के लिए use की जाती है। HTML के साथ [JavaScript](http://www.besthinditutorials.com/2016/03/javascript-in-hindi-introduction.html) के प्रयोग से webpages में logic add किया जाता है और उन्हें dynamic बनाया जाता है।

**HTML Versions**

अब तक HTML के बहुत से version industry में आ चुके है। HTML के हर version में कुछ नए elements add किये जाते है। HTML के सभी versions के बारे में निचे detail से बताया जा रहा है। ये सभी versions HTML की history और समय के साथ किये गए improvments को दर्शाते है।  
  
**HTML 1.0**

ये HTML का पहला version था। उस समय बहुत कम लोग इस language के बारे में जानते थे और HTML भी बहुत limited थी। उस समय HTML के द्वारा simple text के साथ webpages create करने के अलावा ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता था।

**HTML 2.0**

इस version में HTML 1.0 के सभी features थे। इस version के साथ ही HTML website develop करने का बुनियादी माध्यम बन चुकी थी।

**HTML 3.0**

इस version के आने तक HTML बहुत popular हो चुकी थी। इस version में browsers के साथ compatibility problem होने की वजह से इस version को रोक दिया गया था। लेकिन बाद में नए और advanced tags के साथ इसे introduce किया गया था।

**HTML 3.2**

इस version में पिछले version के बाद कुछ नए tags add किये गए। ये वो time था जब W3C ने website development के लिए HTML को standard घोषित किया था। HTML का प्रयोग अब limited नहीं रहा था और इसे व्यापक स्तर पर use किया जा रहा था।

**HTML 4.01**

इस version में कुछ नए tags के साथ ही cascading style sheet को भी introduce किया गया था। इस समय HTML पूरी तरह modern language बन चुकी थी|

**HTML 5.0**

ये HTML का latest version है। इसमें multimedia support के लिए कुछ नए tags provide किये गए है। HTML5 के बारे में और अधिक जानकारी आप [HTML5 in Hindi](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-introduction.html) tutorial से प्राप्त कर सकते है।

**XHTML**

ये version HTML 4.01 के बाद आया था। इसमें HTML के साथ XML को add किया गया था।

**Introduction to HTML Tags**

एक HTML file tags और text का combination होती है। HTML tags को HTML elements भी कहा जाता है। यदि आपको tags का concept समझ आ जाये तो आप HTML आसानी से समझ सकते है। क्योंकि HTML पूरी तरह tags के द्वारा ही कार्य करती है।  
  
शुरआत में जब HTML को design किया गया तो इसे सिर्फ webpages में text को display करने के लिए use किया जाता था। उस समय HTML बहुत limited थी और इसमें कुछ ही tags थे। HTML tags द्वारा text को webpages में display करने की process को text को mark करना कहा जाता था। यही वजह थी की HTML को text markup language कहा गया।  
  
उस समय HTML सिर्फ computer scientists द्वारा use की जाती थी जो अपने papers को HTML द्वारा world wide web पर publish करते थे ताकि दूसरे scientist उन्हें पढ़ सके। लेकिन HTML इतनी simple और effective थी की यह बहुत जल्दी popular हो गयी और बहुत से लोग इसे use करने लगे।  
  
धीरे धीरे जैसे ही HTML popular हुई तो webpages में अलग अलग elements show करने की requirement बढ़ती गयी। अब HTML सिर्फ एक text markup language नहीं रही है। अब आप HTML के द्वारा webpages में कई प्रकार के elements जैसे की lists, tables images, audio, video, graphics आदि insert कर सकते है।  
  
किसी भी webpage में elements (lists, tables, images, video आदि) HTML tags द्वारा ही insert किये जाते है। आप webpage में जो भी add करना चाहे वह tags द्वारा ही add किया जाएगा। इसके लिए HTML आपको बहुत से tags provide करती है। ये सभी tags interpreter से familiar होते है।  
  
Interpreter एक program होता है जो सभी web browsers में होता है। यह program HTML tags को identify करता है और उनके मतलब को समझकर web page में उसी के अनुरूप text, images, list और tables आदि show करता है।  
  
Basically tags से आप interpreter को ये बताते है की आप webpage में क्या display करना चाहते है। उदाहरण के लिए यदि आप webpage में image add करना चाहते है तो इसके लिए आप <img> tag अपनी HTML file में define करेंगे।  
  
ज्यादातर HTML tags का purpose आप उनके नाम द्वारा ही समझ सकते है। उदाहरण के लिए <table> tag को webpage में table insert करने के लिए use किया जाता है। जैसे जैसे आप इन्हें use करना शुरू करते है तो आपको आसानी से याद रहता है की कोई particular tag किस लिए use किया जाता है। 

**Syntax of HTML Tags**

आम तौर पर HTML tag के 3 part होते है। Opening tag शुरुआत में लगाया जाता है। इससे interpreter को ये पता चल जाता है की आप क्या करने वाले है। Opening tag के बाद वो text लिखा जाता है जिस पर ये tag apply हो रहा है। इसके बाद closing tag लिखा जाता है।  
  
Closing tag से interpreter को पता चलता है की इस tag का उपयोग यँही तक था। Closing tag को opening tag से differentiate करने के लिए closing tag में forward slash लगाया जाता है।  
  
HTML tags का general syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <tagName> text </tagName> |

सभी HTML tags ही closing tag द्वारा नहीं close किये जाते है। HTML में ऐसे tags भी है जिन्हें सिर्फ opening tag द्वारा ही define किया जाता है। ऐसे tags को empty tags कहा जाता है। इनका syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <tagName> |

HTML में कुछ ऐसे tags भी है जिनके opening और closing दोनों parts एक ही part द्वारा define किये जाते है। इनमें पहले tag का नाम लिखा जाता है उसके बाद forward slash लगाया जाता है। इनका syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <tagName /> |

**Types of HTML Tags**

HTML में बहुत प्रकार के tags available है। कुछ tags text को format करने के लिए use किये जाते है तो कुछ multimedia elements जैसे की images, audio, video आदि insert करने के लिए use किये जाते है।  
  
HTML के कुछ tags structures जैसे की tables, sections और lists आदि create करने के लिए use किये जाते है तो कुछ tags container की तरह भी काम करते है जिनके अंदर दूसरे tags को define किया जाता है जो उसके sub tags होते है।  
  
HTML के सभी प्रकार के tags को कुछ मुख्य categories में divide करके निचे बताया जा रहा है।

**Basic Tags**

Basic tags वे tags होते है जो सभी HTML documents में अनिवार्य रुप से use किये जाते है। ये tags किसी HTML document के core structure को define करते है। HTML के basic tags की list निचे दी जा रही है।

* <html> - यह tag एक HTML file को define करता है। हर HTML file की शुरुआत इसी tag से की जाती है।
* <head> - इस tag में webpage से related scripts और styles define की जाती है।
* <title> - इस tag से webpage का title define किया जाता है।
* <body> - इस tag में webpage का मुख्य content define किया जाता है।

**Formatting Tags**

Formatting tags वे tags होते है जो text को format करने के लिए use किये जाते है। ये tags text पर ही apply होते है और text की presentation को control करते है। HTML के formatting tags की list निचे दी जा रही है।

* <i> - इस tag द्वारा text को italic बनाया जाता है।
* <b> - इस tag द्वारा text को bold किया जाता है।
* <u> - इस tag से text को underline किया जाता है।
* <ins> - इस tag द्वारा ऐसे text को define किया जाता है जो content में बाद में add किया गया है।
* <mark> - इस tag द्वारा text को highlight किया जाता है।
* <sup> - इस tag से text को superscript के रूप में define किया जाता है।
* <sub> - इस tag से text को subscript के रूप में define किया जाता है।
* <small> - इस tag से small text के रूप में define किया जाता है।
* <del> - इस tag से text को deleted show किया जाता है।
* <strong> - इस tag से text को strong (bold) show किया जाता है।

**Form and Input Tags**

form और input tags webpage में forms create करने और user से input प्राप्त करने के लिए use किये जाते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <form> - यह form elements create करने के लिए एक container tag होता है।
* <input> - इस tag द्वारा different form elements create किये जाते है।
* <textarea> - इस tag द्वारा textarea create किया जाता है।
* <button>  - इस tag द्वारा buttons create किये जाते है।
* <select> - यह dropdown list create करने के लिए container tag होता है।
* <optgroup> - इस tag द्वारा dropdown menu में related options का group create किया जाता है।
* <option> - इस tag द्वारा dropdown list के options define किये जाते है।
* <label> - यह tag एक text label define करने के लिए use किया जाता है।
* <fieldset> - इस tag के द्वारा किसी form में related elements का create किया जाता है।

**Frame Tags**

Frame tags एक web page को frames के रूप में divide करने के लिए use किये जाते है। इन tags की list निचे दी जा रही है।

* <frame> - यह tag frame elements के लिए container का कार्य करता है।
* <frameset> - इस tag द्वारा frames define किये जाते है।
* <noframes> - इस tag द्वारा उन browsers के लिए content define किया जाता है। जो forms को support नहीं करते है।
* <iframe> - इस tag द्वारा inline frames define किये जाते है।

**Image Tags**

Image tags web page में images को include और render करने के लिए use किये जाते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <img> - इस tag द्वारा webpage में image include की जाती है।
* <map> - इस tag द्वारा एक image map include किया जाता है।
* <area> - इस tag द्वारा map में किसी particular location को show किया जाता है।

**Link Tags**

Link tags web page में links create करने के लिए use किये जाते है। Links एक page से दूसरे page तक travel करने के लिए use की जाती है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <a> - इस tag द्वारा webpage में link define की जाती है।
* <link> - इस tag द्वारा HTML file को CSS file से जोड़ा जाता है।

**List Tags**

List tags webpage में lists create करने के लिए use किये जाते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <ul> - यह tag unordered list के लिए container create करता है।
* <ol> - यह tag ordered list के लिए container create करता है।
* <li> - इस tag द्वारा list item define किये जाते है।
* <dl> - ये tag definition list के लिए container create करता है।
* <dt> -  इस tag द्वारा definition list की term define की जाती है।
* <dd> - इस tag द्वारा definition list की definition define की जाती है।

**Table Tags**

Table tags webpages में tables create करने के लिए use किये जाते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <table> - यह tag table create करने के लिए use किया जाता है।
* <th> - इस tag द्वारा table की heading define की जाती है।
* <tr> - इस tag द्वारा table की rows define की जाती है।
* <td> - इस tag द्वारा table के columns define किये जाते है।
* <thead> - यह tag table के header content का group create करता है।
* <tbody> - यह tag table के body content का group create करता है।
* <caption> - इस tag द्वारा table का शीर्षक define किया जाता है।

**Style Tags**

Styles tags विभिन्न प्रकार की styles apply करने के लिए use किये जाते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <style> - इस tag के अंदर HTML document के लिए styles (CSS) define की जाती है।

**Section Tags**

Section tags किसी container की तरह काम करते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <div> - यह tag एक block section create करता है।
* <span> - यह tag एक inline section create करता है।
* <section> - इस tag द्वारा document को कई sections में divide किया जाता है।

**Scripting Tags**

Scripting tags webpage में scripts apply करने के लिए use किये जाते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

* <script> - इस tag के अंदर आप HTML के साथ use की जाने वाली script को define करते है।
* <noscript> - इस tag के अंदर ऐसे browsers के लिए content define करते है जिनमें script को disable कर दिया गया है।

**Writing Your First HTML Program**

HTML में webpages create करना बहुत ही आसान है। जैसा की मैने आपको पहले बताया एक HTML program text और tags का combination होता है। इसलिए ये जरुरी है की यदि आपने अब तक HTML tags के बारे में नहीं पढ़ा है तो इस tutorial को आगे पढ़ने से पहले एक बार HTML tags के बारे में जरूर जान लें।  
  
Tutorial के इस section में आप अपना पहला HTML program लिखना सीखेंगे। इसके बाद के section में आपको लिखे गए program को HTML webpage के रूप में run करना बताया जाएगा।

**Choosing Text Editor For Writing HTML Program**

HTML के द्वारा webpages create करने के लिए आपको एक text editor की आवश्यकता होती है। इसके लिए आप कोई भी text editor use कर सकते है। कुछ popular text editors की list निचे दी जा रही है।

* Notepad - यह text editor windows operating system द्वारा by default provide किया जाता है। इसे आप start menu से open कर सकते है। यह text editor बिलकुल simple है। लेकिन इसमें line numbers और code color जैसे features नहीं है।
* Notepad++ - यह text editor [notepad-plus-plus.org](http://notepad-plus-plus.org/) website द्वारा provide किया गया है। यह notepad का advanced version माना जाता है। यह एक free source code editor है। इस editor में programming से संबधित कई useful features provide किये गए है।
* Sublime Text - Sublime text एक sophisticated text editor है। इस editor का user interface बहुत ही अच्छा है। ये text editor आपको IDE के equivalent features provide करता है। इसे आप [sublimetext.com](http://sublimetext.com/) से download कर सकते है।

**Common Structure of HTML Program**

सभी HTML file एक common structure को follow करती है। यह structure basic tags द्वारा form किया जाता है। हर HTML file में सभी basic tags को use करना अनिवार्य है। HTML का basic structure निचे बताया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Title of your webpage</title>  </head>  <body>  Main content of your webpage here  </body>  </html> |

हर HTML file की starting और ending <html> tag से होनी चाहिए। HTML tag के बाद <head> tag define किया जाता है। <head> tag के अंदर आप webpage का title <title> tag द्वारा define करते है। Webpage का title browser में menu बार के ऊपर show किया जाता है। <head> tag के बाद <body> tag define किया जाता है। <body> tag में webpage का मुख्य content लिखा जाता है।

**A Simplest HTML Program**

निचे एक simple HTML program दिया गया है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>My First Webpage</title>  </head>  <body>  <h1>My First Webpage</h1>  </body>  </html> |

इस program में basic tags के आलावा <body> tag में सिर्फ <h1> tag add किया गया है। यह tag text को heading के रूप में show करता है। इस program को आप अपने text editor में लिख लीजिये।

**Interpreting a HTML Program**

किसी भी HTML program/code को webpage के रूप में देखने के लिए सबसे पहले आपको उसे .html extension के साथ save करना होता है। By default text editor में जब आप किसी file को save करते है तो वह .txt extension के साथ save होती है। इसलिए HTML file को save करते समय ही आपको उसके नाम के आगे .html extension लगाना होता है।  
  
Web browser interpreter उसी file को webpage के रूप में interprete करता है जिसका extension .html होता है। इस extension से interpreter को पता चल जाता है की file एक HTML file है। इसलिए HTML file को .html extension के साथ save करना अनिवार्य होता है।  
  
जैसे ही आप file को .html extension के साथ save करेंगे तो interpreter आपकी file को interpret कर देगा और आपकी file save की गयी location पर browser icon के साथ show होगी। Icon आपके computer में default browser का ही show होगा। इसका मतलब ये होता है की यह एक webpage है।  
  
जैसे ही आप इस file को open करेंगे तो HTML page आपको show हो जाएगा।  
  
यदि आपके code में कोई error है तो HTML page आपको show नहीं होगा। एक बात आपको ध्यान रखनी चाहिए की HTML में error reporting feature नहीं है। इसलिए यदि आपके code में कोई error है तो आपको उसे खुद ही ढूँढ कर ठीक करना होगा।

**Introduction to HTML Attributes**

जितने भी HTML tags होते है उन सबमें attributes define किये जाते है। Attributes के द्वारा आप tags के अंदर के content को अपने अनुसार configure कर सकते है।  
  
Attributes advanced configuration के लिए यूज़ किये जाते है। Attributes के द्वारा interpreter को additional commands दी जाती है जो उसे बताती है की किसी element के content को किस प्रकार show करना है।  
  
उदाहरण के लिए आप default page background नहीं चाहते तो उसको अपने according change कर सकते है। ऐसे ही यदि आप default text color नहीं चाहते है तो उसे भी अपने अनुसार change कर सकते है। 

**Syntax HTML Attributes**

HTML में attributes define करने का general syntax नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <tagName attrName="value">  some content here.  </tagName> |

जैसा की आप ऊपर दिए गए syntax में देख सकते है attributes को हमेशा starting tag में define किया जाता है। ये name और value के pair में लिखे जाते है।  
  
  
  
**Example of HTML Attributes**

Attributes को यूज़ करना बहुत ही simple है। बस आपको पता होना चाहिए की कौनसा attribute किस जगह यूज़ करना है। आइये attributes के इस्तेमाल को एक उदाहरण से समझने का प्रयास करते है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>myPage</title>  </head>  <body bgcolor="black">  <h1 style="color:pink"> Heading </h1>  <p style="color:yellow">  This is a paragraph. And you are learning html in Hindi.  </p>  </body>  </html> |

उपर दिए हुए उदाहरण में 3 जगह attributes यूज़ किये गए है। सबसे पहले <body> tag में bgcolor attribute यूज़ करते हुए page का background color define किया गया है। जब आप कोई background color define नहीं करते है तो by default background color white रहता है।  
  
लेकिन जैसा की मैने आपको बताया की आप attributes के द्वारा elements को अपने according configure कर सकते है इसलिए आप जो background color अपने page का रखना चाहते है वो रख सकते है। जैसे की मैने example में black दिया है।  
  
दूसरा attribute heading tag में यूज़ किया गया है। ये style attribute है। इस attribute के द्वारा आप tag पर CSS (Cascading Style Sheet) apply कर सकते है। CSS के द्वारा advanced configuration किया जाता है, जिसके बारे में आप आगे पड़ेंगे। यँहा पर style attribute द्वारा heading का color change किया गया है।  
  
तीसरा attribute paragraph tag में use किया गया है जो की heading tag की ही तरह paragraph का color change कर रहा है।  
  
ऊपर दिया गया उदाहरण निचे दिया गया output generate करता है।

**Scope of HTML Attributes**

Attributes का scope उनके tags के according होता है। जिस tag के साथ आप जो attribute apply करते है उस attribute का effect उसी tag तक सिमित रहता है।  
  
उदाहरण के लिए आपने body tag में style attribute को यूज़ करते हुए text color red define किया है। Body tag पुरे page के लिए होता है इसलिए ये attribute पुरे page के text को red में show करेगा।  
  
लेकिन ऐसा तब तक ही होगा जब तक की कोई body tag से छोटा tag text को दूसरे color में define नहीं करता है। यदि कोई sub tag वापस उसी attribute को define करता है तो ऐसी situation में उसकी value parent tag में define किये गए attribute की value को override कर देगी।  
  
उदाहरण के लिए किसी paragraph tag का color green define करते है तो ये color body tag के color को override करेगा और आपका paragraph green text में show होगा।  
  
HTML में attributes के scope को निचे उदाहरण द्वारा समझाया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title> myPage </title>  </head>  <body style="color:red">  Learn html in Hindi <br>  Lean html in Hindi in 2 days. <br>  Learn html in Hindi pdf.  <p Style="color:green">  This is some text here  </p>  </body>  </html> |

उपर दिए हुए उदाहरण में आप देख सकते है की paragraph का text color अलग से define किया गया है। ये body के text color को override करता है। इस script को run करने पर निचे दिया गया output show होगा।

**Guidelines For Using HTML Attributes**

HTML attributes को यूज़ करने की कुछ guide line होती है। जिनको follow करके आप attributes का बेहतर इस्तेमाल कर सकते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

1. हमेशा attributes को lower case में define करे।
2. हमेशा attributes की values quotation mark में ही define करे।

**HTML Global Attributes**

HTML में global attributes वे attributes होते है जो सभी HTML tags के साथ commonly use किए जाते है। इनकी list निचे दी जा रही है।

**id**

किसी tag की unique id define करने के लिए id attribute use किया जाता है। इस attribute में define की गयी value से उस tag पर separate styles apply की जा सकती है।

|  |
| --- |
| <tagName id="id-here">other content</tagName> |

**class**

Class attribute भी id attribute की तरह ही होता है। किसी tag की id unique होती है और उसे दूसरे tag के लिए नहीं define किया जा सकता है। लेकिन कई elements same class define कर सकते है। ऐसा multiple tags पर same styles apply करने के लिए use किया जाता है।

|  |
| --- |
| <tagName1 class="myClass">other content </tagName1>  <tagName2 class="myClass">other content </tagName2> |

**style**

Style attribute किसी element पर CSS rules apply करने के लिए use किया जाता है। इस attribute द्वारा apply की गयी CSS inline CSS कहलाती है।

|  |
| --- |
| <tagName style="rule:value;">content</tagName> |

**title**

Title attribute द्वारा आप किसी element का नाम specify कर सकते है या फिर उसके बारे में अधिक जानकारी दे सकते है।

|  |
| --- |
| <tagName title="name">content</tagName> |

**accesskey**

इस attribute द्वारा आप किसी tag पर focus create करने के लिए एक shortcut key define कर सकते है।

|  |
| --- |
| <tagName accesskey="">content</tagName> |

**dir**

इस attribute द्वारा tag के अंदर define किये गए content का direction define किया जाता है। इस attribute की rtl, ltr और auto तीन values define की जा सकती है।

|  |
| --- |
| <tagName dir="value">content</tagName> |

**lang**

इस attribute द्वारा tag के अंदर insert किये गए content की language define करने के लिए use किया जाता है।

|  |
| --- |
| <tagName lang="EN">content</tagName> |

HTML5 में और भी नए global attributes define किये गए जिनके बारे में आप सम्बंधित tutorial पढ़ कर जान सकते है।

**Introduction to HTML Headings**

जब आप कोई paragraph लिखते है तो उससे पहले उसका shorter version heading के रूप में define करते है। Heading से reader को पता चल जाता है की आगे दिए जा रहे paragraph में किस विषय पर चर्चा की गयी है।  
  
जब भी कोई reader किसी article को पढता है तो सबसे पहले वह एक बार सभी headings को देखता है और उसके बाद article को पढ़ना start करता है। ऐसा reader ये check करने के लिए करता है की जिस information को वह ढूँढ रहा है वह उस article में है या नहीं।  
  
Headings define करके आप readers को अपने article का एक short version provide करते है जिससे reader उस article में provide की गयी information का अंदाजा लगा पाता है।  
  
जब भी आप किसी text को heading के रूप में define करते है तो वह webpage में बड़ा और bold दिखाई पड़ता है। इससे webpage में headings normal text से अलग show होती है। लेकिन text को बड़ा और bold show करने के लिए आपको उसे heading के रूप में नहीं define करना चाहिए।  
  
HTML में जब भी आप कोई heading define करते है तो automatically उसके पहले और बाद में space (line break) add हो जाता है। इससे headings को अलग से unique दिखने में मदद मिलती है और user का ध्यान जल्दी उन पर जाता है।  
  
Search engines किसी article की headings को उस article को structure और index करने के लिए use करते है। इसलिए आपको अपने webpages में headings का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

**Types of HTML Headings**

HTML आपको 6 level की headings provide करती है। इनका प्रयोग क्रमशः topics और subtopics को define करने के लिया किया जाता है। इनकी list निचे दी जा रही है।

1. <h1> - यह सबसे महत्वपूर्ण heading tag होता है। यह article की main heading को define करने के लिए use किया जाता है। इसे आपको पुरे document में एक ही बार use करना चाहिए। Search engine crawlers इस tag से पता लगाते है की कोई article किस बारे में है।
2. <h2> - यह subheading tag होता है। इसके द्वारा आप subheadings define करते है। किसी बड़े section को आप इस tag द्वारा कई sections में divide कर सकते है।
3. <h3> - यह minor heading tag होता है। इस heading के द्वारा आप subtopics को भी कई minor topics में define करके represent कर सकते है।
4. <h4> - यह fourth level का heading tag होता है इससे आप और भी deep level पर content को sections में divide कर सकते है।
5. <h5> - यह fifth level heading tag होता है और इससे भी आप headings को define करते है। लेकिन इसे deep level पर content को define करने के लिए use किया जाता है।
6. <h6> - यह sixth level heading tag है इससे भी आप heading define कर सकते है। यह heading normal text के बहुत करीब होती है। इससे आप कई topics को list के रूप में present कर सकते है।

**Example of HTML Headings**

निचे HTML में headings को use करने का simple उदाहरण निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>HTML Headings Example</title>  </head>  <body>  <h1>This is main heading</h1> <h2>This is subheading</h2> <h3>This is minor heading</h3> <h4>This is 4th level heading</h4> <h5>This is 5th level heading</h5> <h6>This is 6th level heading</h6>  </body>  </html> |

ऊपर दिए गए उदाहरण में सभी headings को प्रयोग किया गया है। यह उदाहरण निचे दिया गया output generate करता है।

**Introduction to HTML Text Formatting**

HTML में कुछ tags सिर्फ text formatting के लिए provide किये गए है। इन tags का इस्तेमाल करते हुए आप web page पर text की presentation और position को control कर सकते है। जैसे की आप text को bold या underline कर सकते है। किसी text editor में आप ये काम एक button click से कर सकते है लेकिन HTML में इसके लिए आप tags यूज़ करते है। कुछ common formatting type है जो आप text पर apply करते है इनकी list नीचे दी जा रही है।

1. Bold
2. Italic
3. Underline
4. Marked
5. Superscript
6. Subscript
7. Small
8. Deleted

**HTML <b> Tag**

HTML के द्वारा किसी text को bold करने के लिए <b> tag यूज़ किया जाता है। इसके लिए आप starting और ending tags के beech में text को लिखते है।

|  |
| --- |
| <b> This text will be bolded. </b> |

**HTML <i> Tag**

HTML में किसी text को italic बनाने के लिए <i> tag यूज़ किया जाता है।

|  |
| --- |
| <i> This text will be italic. </i> |

**HTML <ins> Tag**

किसी text को underline करने के लिए <ins> tag यूज़ किया जाता है।

|  |
| --- |
| <ins> This text will be underlined</ins> |

**HTML <mark> Tag**

यदि आप किसी text को highlight करना चाहते है तो उसके लिए <mark> tag यूज़ कर सकते है।

|  |
| --- |
| <mark> This text will be highlighted </mark> |

**HTML <sup> Tag**

किसी text को super script करने के लिए आप <sup> tag यूज़ कर सकते है।

|  |
| --- |
| <p> This is normal text<sup> This will be super scripted </sup> This is normal again </p> |

**HTML <sub> Tag**

अगर आप text को subscript में लाना चाहते है तो उसके लिए आप <sub> tag यूज़ करेंगे।

|  |
| --- |
| <p> This is normal text <sub> This text will be subscripted </sub></p> |

**HTML <small> Tag**

यदि आप किसी text को दूसरे text से छोटा रखना चाहते है तो इसके लिए आप <small> tag  यूज़ कर सकते है। कई editors ऐसा text को highlight करने के लिए भी करते है।

|  |
| --- |
| <p> Normal Text <small> Smal Text </small> </p> |

**HTML <del> Tag**

किसी text को deleted शो करने के लिए आप <del> tag का इस्तेमाल कर सकते है। जब किसी tag को deleted show करते है तो उस text के through line show होती है।

|  |
| --- |
| <p> <del> This text will be deleted</del></p> |

HTML text formatting tag का एक complete उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Text Formatting</title>  </head>  <body>  <p>  <b> This text will be bolded. </b>  </p>  <p>  <i> This text will be italic. </i>  </p>  <p>  <ins> This text will be underlined</ins>  </p>  <mark> This text will be highlighted </mark>  <p> This is normal text<sup> This will be super scripted </sup> This is normal again </p>  <p> This is normal text <sub> This text will be subscripted </sub></p>  <p> Normal Text <small> Smal Text </small> </p>  <p> <del> This text will be deleted</del></p>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script को run करने पर web page इस प्रकार show होगा।

**Styling HTML Text**

Text को style करने के लिए जैसे की उसका color change करना या font family change करना आदि के लिए CSS को यूज़ किया जाता है। CSS एक बड़ा topic है। CSS के बारे में और अधिक जानकारी आप [CSS in Hindi](http://www.besthinditutorials.com/2016/03/css-in-hindi-introduction_30.html) tutorial से प्राप्त कर सकते है। यँहा पर सिर्फ आपकी समझ के लिए कुछ styles का इस्तेमाल बताया जा रहा है। इसके लिए आप Style tag यूज़ करते है। और एक CSS property और उसकी values देते है।

**Changing Text Color**

किसी भी tag के text का color change करने के लिए आप CSS की color property यूज़ करते है। और इसके बाद colon लगाकर color का नाम देते है।

|  |
| --- |
| <p style="color:red">This text will be red. </p> |

**Changing Font Family**

Text की font family change करने के लिए आप font family property यूज़ करते है और value के रूप में font family का नाम देते है।

|  |
| --- |
| <p style="font-family:Arial"> This text will be in Arial </p> |

**Changing Text Size**

Text की size change करने के लिए आप font size property यूज़ करते है और value के रूप में जो size आप चाहते है वह देते है।

|  |
| --- |
| <p style="font-size: 45"> This size is changed by style tag. </p> |

**Changing Text Position**

Text की position change करने के लिए text align property यूज़ की जाती है और value के रूप में आप left, right या center pass कर सकते है।

|  |
| --- |
| <p style="text-align:center"> This position is change by style tag</p> |

इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Text Formatting</title>  </head>  <body>  <p style="color:red">This text will be red. </p>  <p style="font-family:Arial"> This text will be in Arial </p>  <p style="font-size: 45"> This size is changed by style tag. </p>  <p style="text-align:center">  This position is changed by style tag.  </p>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Introduction to HTML Links**

एक link ऐसा text या image होती है जिस पर click करते ही आप दूसरे page पर redirect कर दिए जाते है। जब भी आप किसी link पर अपना cursor ले जाते है तो वह एक clickable hand icon में convert हो जाता है। Links का उपयोग basically एक page से दूसरे page पर जाने के लिए किया जाता है। Links web की दुनिया की roads होती है।

HTML में link create करने के लिए <a> tag यूज़ किया जाता है। इसे anchor tag कहा जाता है। इस tag के सबसे basic attributes href और target होते है। इन दोनों attributes के बारे में नीचे बताया गया है।

**href**

इस attribute के द्वारा आप उस page का address define करते है जो आप link के click होने पर show करना चाहते है।

|  |
| --- |
| href = "page-Address" |

**target**

target - इस attribute के द्वारा आप वह frame define करते है जँहा पर आप page शो करना चाहते है। ये attribute optional होता है। यदि आप इसे define नहीं करते है तो page new tab में open होता है। इस attribute कि कुछ predefined values होती है जिन्हें आप use कर सकते हैं।

|  |
| --- |
| target = "frame-Name" |

* \_blank - जब आप ये value define करते है तो आपका webpage new tab या window में open होता है।
* \_self - जब आप ये value define करते है तो आपका webpage उसी tab या frame मे open होता है जिसमें link पर click किया गया था।
* \_parent - ये value webpage को parent frame में open करती है।
* \_top - इस value के द्वारा web page full document में open होता है।
* customFrame - आप खुद का भी कोई frame define कर सकते है। ऐसा करने पर webpage उसी मे open होगा।

**Creating Links in HTML**

जैसा की मैने आपको बताया की HTML के द्वारा link create करने के लिए आप <a> tag यूज़ करते है। यँहा पर में आपको इसे कैसे यूज़ करते है ये बताने वाला हूँ। आइये इस tag का normal structure देखते है।

|  |
| --- |
| <a href="address-of-webpage> link-Name </a> |

HTML में links create करने का complete उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Text Formatting</title>  </head>  <body>  <p>  Go to Google <a href="www.google.com">Click Here</a>  </p>  <p>  Go to Best Hindi Tutorials <a href="www.besthinditutorials.com">Click Here</a>  </p>  <p>  Go to Facebook <a href="www.facebook.com">Click Here</a>  </p>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script को run करने पर निचे दिया गया web page generate होगा।

**Configuring Links**

Links को आप अपने page के according configure भी कर सकते है। जैसे की आप apply कर सकते है की जब भी कोई link पर mouse ले जाये तो उसका color green हो जाये और mouse हटाते ही red हो जाये। ये सब आप style tag के द्वारा कर सकते है। इसके लिए आप a के साथ condition colon लगाकर define करते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है। इनका उदाहरण आप CSS वाली tutorials में देख सकते है।

|  |  |
| --- | --- |
| Condition | Explanation |
| a:link | इस condition में link first time web page पर show होती है। |
| a:visited | इस condition में link पहले visit कि जा चुकी होती है। |
| a:hover | इस condition में link पर cursor ले जाया जाता है। |
| a:active | जब आप किसी link पर click करते है तो वह link active होती है। |

**Introduction to HTML Tables**

किसी भी data को structured form में represent करने के लिये आप tables use करते है। अपने webpage में tables include करके आप उसे ओर भी structured ओर attractive बना सकते है। HTML मे tables create करने के लिये आप <table> tag युज करते है। इस tag का एक sub tag होता है जिसे <tr> table row tag कहते है। <tr> tag का भी एक sub tag होता है जिसे <td> table data tag कहते है।

**Creating Tables in HTML**

कोई भी table row ओर columns से मिलकर बनी होती है। इसलिये <table> tag के बाद row create करने के लिये आप <tr> tag युज करते है। आप जितनी rows create करना चाहते है उतने ही <tr> tag define करते है। Rows create करने के बाद आप rows मे columns create करते है। Columns create करने के लिये <td> tag का इस्तेमाल किया जाता है। आप जितने columns create करना चाहते है उतने ही <td> tags define करते है।  
  
इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title> Table web page</title>  </head>  <body>  <table border="1">  <tr>  <td>First row first column</td>  <td> First row second coloumn</td>  </tr>  <tr>  <td>Second row first column</td>  <td>Second row second column</td>  </tr>  </table>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करती है। 

Table create करने के लिए आपको tags का order हमेशा ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले <table> tag आता है। इसके बाद <tr> tag आता है।  फिर उसके बाद <th>  और <td> tags आते है। <th> और <td> tags हमेशा <tr> tags के अंदर ही आएंगे।  
  
एक बात आपको और ध्यान रखनी चाहिए की जब तक आप border attribute के द्वारा table की border define नहीं करते है तब तक table की border show नहीं होती है।

**Creating Table Headings**

आप चाहे तो tables कि first row मे headings भी create कर सकते है। Heading text table के बाकी text से मोटा ओर बडा होता है। उदाहरण के लिए यदि आप कोई table create कर रहे है जो employees कि information store करती है तो आप Names ओर addresses आदि headings create कर सकते है। Heading create करने के लिये <th> tag युज किया जाता है। इसे table heading tag कहते है। इस tag मे आप जो text युज करते है वह webpage मे heading कि तरह show होती है। इस tag को <tr> tag के अंदर युज किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Table Heading Page</title>  </head>  <body>  <table border="1">  <tr>  <th>Names</th>  <th>Addresse</th>  </tr>  <tr>  <td>Sam</td>  <td>United States</td>  </tr>  <tr>  <td>Vijay</td>  <td>India</td>  </tr>  </table>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script को run करने पर निचे दिया गया web page generate होगा। 

**COLSPAN Attribute**

आप चाहे तो किसी एक row के column को एक से ज्यादा columns मे भी divide कर सकते है। इसके लिये आप उससे पहले वाले column मे colspan attribute define करते है। जिस column मे आप colspan define करते है वो एक column उतने ही columns की जगह घेरता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Colspan WebPage </title>  </head>  <body>  <table border="1">  <tr>  <th>Names</th>  <th colspan ="2">Mobile No.</th>  </tr>  <tr>  <td>Charlie</td>  <td>4856456465486</td>  <td>1235713</td>  </tr>  <tr>  <td>Rajesh</td>  <td colspan ="2">12683124598</td>  </tr>  </table>  </body>  </html> |

उपर दिए गए उदाहरण को देखिये राम के pass 2 mobile numbers है। लेकिन श्याम के pass एक ही mobile number है। यदि आप normally table create करेंगे तो श्याम वाली row में एक column की जगह खाली बच जाएगी। ऐसे में table बिलकुल भी अच्छी नहीं लगेगी। यदि आप चाहते है की श्याम वाली row का एक column ऊपर वाली row के दो columns को cover करे तो आप उस column में colspan attribute यूज़ करते है और जितने columns आप इस एक column से cover करना चाहते है उतनी ही integer values देते है। जैसे की मैने उपर दिए हुए example श्याम वाली row के एक column से राम वाली row के 2 columns cover किये है। इस script के द्वारा निचे दिया गया web page generate होगा।

**ROWSPAN Attribute**

ROWSPAN attribute भी colspan की तरह ही होता है। इसे आप <tr> tag में define करते है। इस attribute की आप जितनी values देते है वह एक row उतने ही columns की जगह घेरती है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title> Rowspan Webpage </title>  </head>  <body>  <table border="1">  <tr>  <th rowspan="2">Colors</th>  <td>Red</td>  </tr>  <tr>  <td>Lime</td>  </tr>  <tr>  <th rowspan="2">Guava</th>  <td></td>  </tr>  <tr>  <td>Apple</td>  </tr>  </table>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी। 

**Naming The Table**

आप चाहे तो table का कोई नाम दे सकते है जिसे caption भी बोलते है। इसके लिए आप <caption> tag यूज़ करते है। इसे <table> tag के बाद define किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

|  |
| --- |
| <html  <head>  <title>Naming the tables</title>  </head>  <body>  <table border="2">  <caption> MyTable</caption>  <tr>  <td> Vipin Sharma</td>  <td>India</td>  </tr>  </table>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Introduction to HTML & Images**

Images से एक web page attractive और beautiful लगता है। HTML के द्वारा web page में आप कोई image add कर सकते है। इसके लिए आप <img> tag यूज़ करते है। <img> tag बहुत से attributes provide करता है जिनसे आप image की presen tationको control कर सकते है। इन attributes के बारे में नीचे दिया जा रहा है।

|  |  |
| --- | --- |
| Attributes | Explanation |
| src | इस attribute के द्वारा जो image आप show करना चाहते है उसका URL दिया जाता है। |
| alt | इस attribute की value text होती है। यदि किसी वजह से आप की image web page पर show नहीं होती है तो उसकी जगह ये text show होता है। एक तरह से ये image का alternative होता है। |
| width | इस attribute के द्वारा आप image की width set करते है। |
| height | इस attribute से आप image की height set करते है। |
| style | इस attribute के द्वारा आप images पर CSS rules apply कर सकते है। |

**Including Images in Web Page**

जैसा की मैने उपर बताया किसी भी web page में images include करने के लिए आप <img> tag का इस्तेमाल करते है। <img> tag के साथ src attribute यूज़ करना necessary होता है। बाकि सभी attributes optional होते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Web page with image</title>  </head>  <body>  <img src="BHT-logo.jpg">  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Setting Alternative Text With Images**

यदि किसी वजह से image show नहीं होती है तो alternative text उस जगह पर show होता है। ये attribute search engines को ये बताने के लिए भी यूज़ किया जाता है की ये image किसके बारे में है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Image with alternative text</title>  </head>  <body>  <img src="BHT-logo.jpg" alt="Best Hindi Tutorials Logo">  </body>  </html> |

यदि किसी reason से picture load नहीं होती है तो उसकी जगह alternate text इस प्रकार show होगा।

**Setting Height and Width of Images**

Height और width set करने के लिए आप height और width attributes यूज़ करते है। इनकी values आप integers में देते है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Image with alternative text</title>  </head>  <body>  <img src="image-url" height="200" width="200" >  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया web page generate करेगी।

**Setting Border of Images**

आप image की border भी set कर सकते है इसके लिए आप border attribute यूज़ करते है। इस attribute की value border की size होती है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Image with alternative text</title>  </head>  <body>  <img src="BHT-logo.jpg" border="5" >  </body>  </html> |

ऊपर गई गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Making Image a Link**

आप चाहे तो image को एक link भी बना सकते है। ऐसा करने से जब भी कोई image पर click करेगा तो एक नया web page open होगा। इसके लिए आप <img> tag को <a> tag में लिखते है। Anchor tag में text की जगह आप <img> tag को define करते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Image with alternative text</title>  </head>  <body>  <a href="www.besthinditutorials.com">  <img src="image-url"></a>  </body>  </html> |

ऊपर दिया example एक image show करता है जिसे click करने पर src attribute में दिया गया URL open होता है।

**Introduction to HTML Lists**

HTML में आप किसी भी information को lists के द्वारा भी represent कर सकते है। Lists के द्वारा आप अपने webpage को well ordered बना सकते है। HTML से आप 3 तरह की list बना सकते है। इनके बारे में नीचे  दिया जा रहा है।

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| Type | Explanation | Example |
| Ordered-List | ये list ordered form में होती है। इस तरह की list को आप कई तरह से order कर सकते है जैसे की numbers(1, 2, 3, 4, 5) और alphabets(a, b, c, d, e, f) आदि। इस तरह की list आप < ol> tag के द्वारा create करते है। | 1. A 2. B 3. C 4. D 5. E |
| Unordered-List | इस तरह की list unordered form में होती है। इस तरह की list के items bullets से represent किये जाते है। इस तरह की  list आप < ul> tag के द्वारा create करते है। | * a * b * c * d |
| Definition-List | Definition list में पहले आप एक list item define करते है और उसके बाद उसकी definition provide करते है। इस तरह की list आप < dl> tag के द्वारा create करते है। List item declare करने के लिए < dt> tag और उसकी definition देने के लिए < dd> tag को यूज़ किया जाता है। | A      First Alphabet.    B      Second Alphabet |

**Ordered List**

जैसा की मैने आपको पहले बताया ordered list create करने के लिए आप <ol> tag का यूज़ करते है। इस tag के बाद list item define करने के लिए आप <li> tag यूज़ करते है। यही tag unordered list में भी यूज़ किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Ordered list </title>  </head>  <body>  <ol>  <li>John</li>  <li>max</li>  <li>cassie</li>  <li>Fiana</li>  </ol>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Type Attribute**

Ordered list के साथ आप type attribute भी यूज़ कर सकते है। Type attribute के द्वारा आप ये बताते है की आप list को किस तरह से order करना चाहते है। जैसे की यदि आप numbers की list चाहते है तो आप type attribute की value 1 define करते है। और यदि आप alphabet order में list को चाहते है तो type attribute की value a देते है। आप चाहे तो roman letters से भी list को define कर सकते है इसके लिए आप type attribute की value I देते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Type attribute </title>  </head>  <body>  <ol type="I">  <li>Ram</li>  <li>Shyam</li>  </ol>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Unordered List**

Unordered list क्रिएट करने के लिए आप <ul> tag का इस्तेमाल करते है। इस tag के बाद <li> tag से list item define किये जाते है। इस तरह की list में type attribute की 3 values दी जा सकती है। Disc, Circle और square values से आप अलग अलग तरह की unordered list create कर सकते है। इसका उदाहरण आगे दिया गया है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title> Unordered list </title>  </head>  <body>  <ul type="square">  <li>Ram</li>  <li>Shyam</li>  </ul>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Definition List**

Definition lists के द्वारा आप किसी term की definition provide करते है। Definition lists create करने के लिए आप <dl>, <dt> और <dd> tags इस्तेमाल करते है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Definition list </title>  </head>  <body>  <dl>  <dt>A</dt>  <dd>First letter of alphabet</dd>  <dt>B</dt>  <dd>Second letter of alphabet</dd>  </dl>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Introduction to HTML Frames**

किसी webpage को कई sections में divide किया जा सकता है। इन sections को आप frames भी कह सकते है। ये sections एक दूसरे से independent होते है। हर section एक अलग webpage को represent करता है। आसान शब्दों में कहें तो एक webpage को कई sections में divide करके उन sections में दूसरे webpages को show कर सकते है। इस तरह एक webpage के अंदर कई दूसरे webpages show किये जा सकते है। यानि हर section में एक अलग webpage load किया जा सकता है।

किसी एक frame में आप header create कर सकते है और किसी दूसरे frame में menus create की जा सकती है। ऐसे ही एक webpage को footer बनाया जा सकता है और दूसरे webpage को main window की तरह यूज़ किया जा सकता है।

Frames को सभी web browsers support नहीं करते है और frames वाले webpage को किसी cell पर देखने में problems आ सकती है। Frames की वजह से अलग अलग computers पर webpage अलग अलग तरीके से दिखाई देता है। Frames को बहुत कम यूज़ किया जाता है। जब आपको सही में जरुरत हो तब ही frames का इस्तेमाल करे।

**Creating HTML Frames**

जब आप frames को यूज़ करते है तो <body> tag नहीं यूज़ किया जाता है। किसी भी webpage में frames define करने के लिए <frameset> tag यूज़ किया जाता है। इस tag के rows और cols 2 attributes होते है। इन attributes की values % में दी जाती है। यदि एक webpage को 100% माने तो जितनी value आप देंगे वह frame उतनी ही जगह cover करता है।

Rows attributes से आप webpage को rows में divide करते है और cols attributes से webpage में columns create किये जाते है।

|  |
| --- |
| <html>  <frameset rows="10,90">  <frame src="mywebpage.html">  <frame src="myotherwebpage.html">  </frameset>  </html> |

उपर दिए हुए example में एक page को 2 frames में divide किया गया है। <frame> tag के द्वारा individual frames को configure किया जाता है। <frame> tag के src attribute के द्वारा आप webpage का URL define करते है। कौनसा frame कँहा show होगा यह उस frame के order पर depend करता है। जिन जिन webpages का URL आप देंगे वो automatically उन frames में load हो जायेंगे। इस script के द्वारा निचे दिया गया web page generate होगा।  
  
इसके बाद आप एक frame से किसी action को दूसरे frame में भी target कर सकते है। उदाहरण के लिए किसी एक frame में link पर click करके आप दूसरे frame में कोई webpage open कर सकते है।

**HTML Frame Attributes**

<frameset> tag के कुछ attributes होते है जिन्हे यूज़ करके आप सारे frames को configure कर सकते है।

* cols - आप कितने columns का frameset create करना चाहते है ये इस attribute के द्वारा define किया जाता है। साथ ही सभी columns की size भी define की जाती है।
* rows - आप कितनी rows में frameset को divide करना चाहते है ये इस attribute के द्वारा define किया जाता है और उनकी size भी आप इस attribute से ही define करते है।
* frameborder - इस attribute के द्वारा ये define किया जाता है की आप frames की border show करना चाहते है या नहीं। इस attribute की yes और no सिर्फ 2 values हो सकती है।
* framesspacing - इस attribute के द्वारा frames के बीच में space define किया जाता है।

<frame> tag के साथ भी कुछ attributes provide किये गए है जिन्हे use करके आप हर frame को separately configure कर सकते है।

* src - इस attribute के द्वारा frame के लिए webpage का address define किया जाता है।
* noresize - इस attribute से आप define करते है की frame को resize किया जा सकता है या नहीं।
* scrolling - इस attribute से define किया जाता है की frame को scroll कर सकते है या नहीं।
* name - इस attribute से आप frame को कोई नाम देते है।

|  |
| --- |
| <html>  <frameset rows="90,10">  <frame src="html1.html" noresize="yes" scrolling="no">  <frame src="html2.html" noresize="yes" scrolling="no">  </frameset>  </html> |

**Targeting Frames**

एक frame से किसी दूसरे frame को target करने के लिए आप links में target attribute use करते है और उस attribute की value के रूप में आप जिस frame में उस link को open करना चाहते है उस frame का नाम लिख देते है। लेकिन इसके लिए पहले आपको <frame src> tag में frame का नाम define करना होता है। इसके लिए आप name attribute यूज़ करते है।

|  |
| --- |
| <html>  <frameset rows="90,10">  <frame src="html1.html" name="myFrame">  <frame src="html2.html" name="yrFrame">  </frameset>  </html> |

|  |
| --- |
| <html>  <body>  <a href="www.google.com" target="myFrame">myLink</a>  <a href="www.google.com" target="yrFrame">yrLink</a>  </body>  </html> |

**Introduction to HTML Blocks**

HTML में block level और inline 2 तरह के tags होते है। जब भी block level tags webpage में show होते है तो automatically इनके पहले और बाद में एक line का space होता है। कुछ common block level tags के बारे में नीचे दिया जा रहा है।

* div
* p
* h1

दूसरे तरीके के tags inline tags होते है। जब ये tags यूज़ किये जाते है तो webpage में ये अपने पहले यूज़ किये गए tag की line में ही show हो जाते है। यदि आप <br /> tag इस्तेमाल ना करे तो इनके पहले और बाद में कोई space नहीं होता है। कुछ inline tags नीचे दिए जा रहे है।

* span
* anchor
* img

**HTML <Div> Tag**

<div> tag page को divide करने के लिए यूज़ किया जाता है। इसे division tag भी कहते है। इस tag में आप दूसरे HTML tags को यूज़ कर सकते है। <div> एक block level tag है। इस tag को CSS के साथ यूज़ करते हुए आप अपने webpage को design कर सकते है। ये page पुरे page को section में divide कर देता है।

इन sections को आप जरुरत पड़ने पर hide और show कर सकते है। ऐसा करने पर information webpage पर होते हुए भी visitor को तब show होगी जब वह देखना चाहेगा। <div> पर apply की गयी CSS <div> के अंदर के सभी tags पर apply होती है।

किसी webpage की अलग अलग तरह की information को separate करने के लिए <div> tag को यूज़ किया जा सकता है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Div tag demo </title>  </head>  <body>  <div style="color:black;background-color:green;padding:10px;margin:20px;">  This is a cool website you can learn all programming languages here in Hindi language.  </div>  <div style="color:black;background-color:red;padding:10px;">  This is another div. What i am trying to tell you is that these two div's are different. And will act differently.  </div>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करती है। 

**Some Other Block Level Tags**

|  |  |
| --- | --- |
| Tags | Explanation |
| <form> | <form> tag एक block level tag होता है। इस tag से आप किसी webpage पर form की beginning और end define करते है। बाकी दूसरे HTML forms से related tags इसी tag के अंदर आते है। |
| <h1>.....<h6> | सभी heading tags block level tags होते है। हर heading खुद का एक block define करती है जिसके पहले और बाद में automatic line break होता है। |
| <p> | जैसा की आप जानते है <p> tag से paragraph define किया जाता है और हर paragraph के पहले और बाद में line break होता है। इसलिए <p> tag को भी block level tag माना गया है। |
| <ol>,<ul> | दोनों list tags <ol> or <ul> block level tags होते है। क्योंकि हर list खुद का एक section define करती है। |
| <table> | <table> tag भी एक block level tag माना जाता है क्योंकि ये एक अलग section create करता है। जो page के पुरे content से अलग होता है और अपने पहले और बाद में line break include करता है। |
| <pre> | ये एक block level tag होता है। इसमें दूसरे सभी tags यूज़ किये जा सकते है। और इसे यूज़ करने से जैसे आप text editor में tags को configure करते है वैसे ही वे webpage पर show होता है। |

**HTML <span> Tag**

<span> एक inline tag है। इससे आप text format करते है। जब भी आप इस tag को यूज़ करते है तो इससे आपका text दूसरी line में ना जाकर उसी line में रहता है। जो text इस tag के बीच रहता है formatting बस उसी पर apply होती है। <span> tag के खुद के कोई attributes नहीं होते है लेकिन आप style और class attributes को इस tag के साथ यूज़ कर सकते है। इस tag को आप headings में भी यूज़ कर सकते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <body>  <p>  This is a paragraph. In this paragraph if you want to apply formatting to certain words then you can <span style="color:red;"> put them in span tag.</span>  </p>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करती है।

**Some Other Inline Tags**

|  |  |
| --- | --- |
| Tags | Explanation |
| <a> | <a> tag को inline tag माना जाता है। इसे यूज़ करते हुए आप किसी भी text को link बना सकते है। ऐसा करने से वह webpage में उसी line में show होता है। |
| <b> | <b> tag बिना line break के किसी भी text को bold करता है। इसलिए ये भी एक inline tag होता है। |
| <i> | <i> tag text को italic बनाता है। और ये भी एक inline tag होता है। |
| <u> | <u> tag से आप text को underline करते है। इसे भी inline tag माना जाता है। |
| <img> | <img> tag से आप किसी text line के बीच में image insert कर सकते है। ऐसा करने से text में कोई line break नहीं आता है। इसलिए <img> tag भी एक inline tag होता है। |
| <input> | <input> tag से आप form के अंदर दूसरे elements create करते है जैसे की text-box और button आदि। लेकिन यदि आप <br  /> tag यूज़ ना करे तो इन elements के बीच कोई line break नहीं होता है। |

**Introduction to HTML Forms**

किसी भी webpage पर यदि आप यूज़र से कोई information लेना चाहते है तो इसके लिए आप forms का इस्तेमाल करते है। उदाहरण के लिए जब भी आप कोई नयी email id create करते है तो सबसे पहले sign up form भरते है। ऐसा करके आप अपनी information webpage के द्वारा provide करते है।  
  
Forms यूज़र से input प्राप्त करने का सबसे common तरीका होता है। कोई भी form यूज़र से input लेता है और जब यूज़र उस form को submit करता है तो ये सारी information किसी database में store कर ली जाती है। User से information input करवाने के लिए आप कई प्रकार के form elements यूज़ कर सकते है। जैसे की text-box, radio button, drop-down list आदि।   
  
किसी भी webpage में forms create करने के लिए आप <form> tag यूज़ करते है। ये container tag होता है जो की पुरे form की beginning और ending define करता है। इस tag के अंदर अलग अलग form elements define किये जाते है। <form> tag के कुछ attributes के बारे में नीचे दिया जा रहा है।

|  |  |
| --- | --- |
| Attribute | Explanation |
| action | इस attribute से आप define करते है की form submit होने पर क्या करना है। जैसे की यूज़र के form submit करते ही आप कोई दूसरे webpage में thank you message शो कर सकते है या कोई php script execute करवा सकते है। |
| method | इस attribute से आप data को store करने का method define करते है। इस attribute की केवल 2 values GET या POST हो सकती है। |
| target | इससे आप form submission के बाद जो window show होगी वह define करते है। |

Form elements आप <input> tag के द्वारा define करते है। इस tag के कुछ attributes होते है जो आप elements को configure करने के लिए यूज़ करते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है। 

|  |  |
| --- | --- |
| Attribute | Explanation |
| name | इस attribute से particular form element का नाम define किया जाता है। बाद में यही नाम server पर values को store करने के लिए यूज़ किया जाता है। |
| type | ये element का type show करता है। इससे ये भी पता चलता है की किस तरह की value input की जा सकती है। जैसे text-boxes के लिए type text होता है। |
| size | इससे आप किसी form element की size width में define करते है। जैसे की आप किसी text-box को अपने according width दे सकते है। |
| value | ये किसी element की default value हो सकती है। जैसे की आप किसी text box के अंदर first name लिखा हुआ देखते है। |

आइये अब देखते है की इन tags और attributes को यूज़ करते हुए आप कैसे एक complete form create कर सकते है।

**Creating Text Boxes**

HTML में forms के लिए text-boxes क्रिएट करना बहुत ही easy है। इसके लिए आप <input> tag के type attribute में text value define करते है। कोई भी default value देने के लिए जो text-box के अंदर show होगी आप value attribute यूज़ कर सकते है। यदि आप password input करने के लिए text-box बना रहे है तो type password देना होगा। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Text box demo</title>  </head>  <body>  <form>  Enter your email :<input type="text" value="Email..." name="email" size=" 20"> <br><br>  Enter your password :<input type="password" value="Password..." name="pass" size="20">  </form>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करेगी।

**Creating Buttons**

HTML में आप 4 तरह से buttons क्रिएट कर सकते है। इन्हे आप type attribute के द्वारा define करते है। इनके बारे में नीचे दिया जा रहा है।

* Submit - ये button form submit करने के लिए यूज़ किया जाता है। ये button पुरे form के सभी elements की values को एक साथ server पर send कर देता है। आप type attribute में submit value define करके इस तरह का button क्रिएट कर सकते है।
* Reset - इस button को पुरे form के सभी fields की values को reset करने के लिए यूज़ किया जाता है। Reset button create करने के लिए आप type attribute में reset value define करते है।
* Normal button - ये एक normal button होता है जिस पर click होते ही आप कोई भी action ले सकते है। इस तरह का button क्रिएट करने लिए आप type attribute के value button देते है।
* Image button - इस तरह के button में आप button के background में कोई image दे सकते है। इस तरह का button create करने के लिए आप type attribute की value image देते है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Button demo</title>  </head>  <body>  <form>  <input type="submit">  <input type="reset">  <input type="button" value="Click here">  <input type="image" src="image URL" alt="text to show">  </form>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करती है।

**Creating Radio Buttons**

Radio buttons के द्वारा यूज़र बिना keyboard के webpage को information provide करता है। Radio button एक गोल box होता है जिसे choose करके user अपनी choice बताता है। जैसे की यदि आप user के gender के बारे में जानना चाहते है तो आप 2 radio buttons create करके उनके नाम male और female दे सकते है। यूजर इनमे से कोई भी choose करके अपना gender बता सकता है। आप 2 या 2 से अधिक radio buttons को name attribute के द्वारा connect कर देते है ताकि user एक समय पर केवल एक ही radio button select सके। जिन radio buttons को आप आपस में connect करना चाहते उनके आप name same देते है।

Radio button क्रिएट करने के लिए आप <input> tag के type attribute की value radio देते है। Name attribute में radio button का नाम दिया जाता है। जैसा की मैने ऊपर बताया यदि आप Radio buttons का group बनाना चाहते है ताकि user एक बार में सिर्फ एक ही radio button select कर सके तो ऐसी situation में आप सभी radio buttons को एक ही नाम देते है। इसका उदाहरण नीचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Radio Button Demo </title>  </head>  <body>  <form>  Select your Gender: <br>   <input type="radio" name="gender"> Male  <input type="radio" name="gender"> Female  </form>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करती है।

**Creating Drop Down List**

Drop down list create करने के लिए आप <select> tag इस्तेमाल करते है। इस tag को form tag के अंदर define किया जाता है। ये tag drop down list का structure क्रिएट करता है। Drop down list की values define करने के लिए <option> tag को define किया जाता है। आप जितने list item add करना चाहते है उतने ही <option> tag define करते है। <option> tag को <select> tag में define किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Drop down list demo </title>  </head>  <body>  <form>  <select>  <option>Select</option>  <option value="Male">Male</option>  <option value="Female">Female</option>  </select>  </form>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करती है।

**Creating Check Boxes**

Check boxes के द्वारा किसी भी user को multiple options को choose करने के facility दी जाती है। जैसे की यदि आप चाहते है की user multiple courses choose करे तो आप check boxes create कर सकते है और user उन्हें select कर सकता है।

Check boxes क्रिएट करना बहुत ही आसान होता है। इसके लिए आप <input> tag के type attribute में check box value देते है और Name attribute में check-box का नाम देते है। Value attribute की value भी आप दे सकते है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>Check box demo </title>  </head>  <body>  <form>  <input type="checkbox" name="MCA" > MCA  <input type="checkbox" name="BTECH"> Btech  <input type="checkbox" name="BCA">BCA  <input type="checkbox" name="BCA">M. tech  </form>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया web page generate करती है।

**Introduction to HTML <script> Tag**

HTML का <script> tag web pages में client side script define करने के लिए use किया जाता है। उदाहरण के लिए <script> tag के माध्यम से आप अपने HTML document में JavaScript add कर सकते है। JavaScript एक client side scripting language है। इसकी मदद से आप dynamic content generate कर सकते है और forms आदि को validate भी कर सकते है।       

**Attributes of HTML <script> Tag**

Script tag में use किये जाने वाले attributes के बारे में निचे दिया जा रहा है।

|  |  |
| --- | --- |
| Attributes | Explanation |
| src | इस attribute के द्वारा आप external javascript का URL define करते है। इसकी value double quotes में दी जाती है। |
| type | इस attribute के द्वारा आप script का type define करते है। यदि आप javascript use कर रहे है तो इसकी value text/javascript define करते है। |
| async | इस attribute की value आप true और false की form में देते है। यदि आप इस attribute को true set करते है तो script HTML page के सभी elements के load होने के बाद asynchronously load होती है। इसे page load time reduce करने के लिए use किया जाता है। |
| defer | इस attribute की value भी आप true और false की form में ही देते है। जब आप इस attribute को true set करते है तो script HTML document के parse होने के बाद load होती है। |

**Syntax of HTML <script> Tag**

Script tag को आप किसी भी normal HTML tag की तरह define करते है। इसका general syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <script type="text/javascript">  //statements  </script> |

किसी external javascript को include करने के लिए आप src attribute use करते है। इसका general syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <script type="text/javascript" src="external-javascript-URL"></script> |

जैसा की आप ऊपर दिए गए syntax में देख सकते है जब आप किसी external javascript को अपने page में include करते है तो आपको script page में define करने की आवश्यकता नहीं होती है।   
  
Script को anonymously load करने के लिए आप async attribute को true set करते है। इसका general syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <script type="text/javascript" src="external-javascript-URL" async="true"></script> |

किसी script को page के parse होने के बाद load करने के लिए आप defer attribute को true set करते है। इसका general syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <script type="text/javascript" src="external-javascript-URL" defer="true"></script> |

**Using HTML <script> Tag**

Script tag को आप HTML document में 2 प्रकार से use कर सकते है।

**Embedding Script**

इस तरीके में आप script को HTML document में ही define करते है। वैसे तो आप <script> tag को HTML के <body> tag में भी define कर सकते है लेकिन ज्यादातर इसे <head> tag में ही define किया जाता है। इसे निचे उदाहरण के द्वारा समझाया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html> <head> <title> Embedding Javascript Demo</title>  <script type="text/javascript"> document.write("Hello readers, this script is embedded in document"); </script>  </head>  <body> <h1> This is normal HTML </h1> </body>  </html> |

ऊपर दिए गए उदाहरण में script को page में ही embedded किया गया है। ये script निचे दिया गया output generate करती है।

**Linking Script**

इस तरीके में आप की script किसी server पर stored रहती है और आप उसे अपने HTML document से link करते है। इसके लिए आप <script> tag का src attribute use करते है। यदि आप अपनी script को hidden और secure रखना चाहते है तो उसके लिए आप इस तरीके को use कर सकते है। इसे external javascript भी कहा जाता है। इसे निचे उदाहरण के द्वारा समझाया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html> <head> <title>Linking Script Demo</title>  <script type="text/javascript" src="MyFile.js"> </script>  </head>  <body> <h1>This is normal HTML.</h1> </body>  </html> |

ऊपर दिए गए उदाहरण में एक external javascript को page से link किया गया है। जब आप external java script define करते है तो उसे .js extension के साथ save करते है। External javascript define करते समय आपको <script> tag define करने की आवश्यकता नहीं होती है। अधिक जानकारी के लिए आप java script से related tutorials देख सकते है। ऊपर दी गयी script निचे दिया गया output generate करती है।

**HTML <noscript> Tag**

कई बार page में script load नहीं हो पाती है। ऐसा कई कारणों से हो सकता है। उदाहरण के लिए user कोई पुराना web browser use कर रहा है जो script को support नहीं करता है या फिर user ने स्वयं ही script disable कर रखी है। कारण कोई भी हो ऐसी situation में आप <noscript> tag use कर सकते है जो script नहीं load होने पर user को appropriate message show करने के लिए use किया जाता है। इस tag को आप head section में या body section में कँही भी use कर सकते है। इसका उदाहरण निचे दिया जा रहा है। 

|  |
| --- |
| <html> <head> <title>HTML no script Demo</title> </head>  <body> <h1>This is normal HTML.</h1>  <script type="text/javascript"> document.write("Hello Readers,") </script>  <noscript> Your script is disabled. Please update your browser or enable it.</noscript>  </body>  </html> |

ऊपर दी गयी script निचे दिया गया output generate करती है।

**Introduction to HTML <address> Tag**

HTML <address> tag किसी document के author या owner की contact information define करने के लिए use किया जाता है। <address> tag को HTML3 में add किया गया था। HTML3 के बाद के सभी versions में यह tag available है। इसे HTML5 में भी include किया गया है।  
  
कई बार web developers <address> tag के use को लेकर confuse हो जाते है। <address> tag को document के author से related contact information जैसे की author का email, mailing address और social media links आदि provide करने के लिए use किया जाना चाहिए।  
  
<address> tag को पूरी website की contact information provide करने के लिए नहीं use किया जाना चाहिए। इसके लिए आपको <footer> tag use करना चाहिए। <address> tag को किसी organization का postal address provide करने के लिए नहीं use किया जाना चाहिए।  
  
यदि आपकी website में कई authors publish करते है तो address tag को आप सभी authors के articles के साथ attach कर सकते है और उनकी contact information provide कर सकते है।  
  
<address> tag readers के लिए बहुत ही उपयोगी होता है। <address> tag द्वारा provide की गयी information से readers उस article के author से आसानी से संपर्क कर सकते है।  
  
हालाँकि author की contact information <p> या <span> tag से भी provide की जा सकती है। लेकिन SEO की दृष्टि से <address> tag को use किया जाना महत्वपूर्ण है। Search engines <address> tag को author ranking के लिए use करते है। यदि कोई person उस author के बारे में search करता है तो search engines ये information knowledge graph द्वारा show कर सकते है।  
  
HTML <address> tag द्वारा provide की गयी information web page में italic style में show होती है।

**Syntax of HTML <address> Tag**

निचे <address> का general syntax दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <address> //author email address //author mailing address //author social media profile links </address> |

जैसा की आप ऊपर दिए गए syntax में देख सकते है <address> tag को closing tag द्वारा properly close किया जाना आवश्यक है। <address> tag में आप <span> <p> और <a> tags को आसानी से use कर सकते है।

**Attributes of HTML <address> Tag**

HTML <address> का कोई element specific attribute नहीं है। यह tag HTML के सभी global और event attributes को support करता है।

**Example**

<address> tag का उदाहरण निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html> <head> <title>HTML address Tag Demo</title> </head>  <body>  <article> This is an article. This article is written by an author. <br />If you want to show the authors contact information you can do it with HTML address tag. <br /> <br />  <address> Best Hindi Tutorials - conatct@besthinditutorials.com </address>  </article>  </body>  </html> |

ऊपर दिया गया उदाहरण निचे दिया गया output generate करता है।

**Introduction to HTML <meta> Tag**

<meta> tag द्वारा meta-data को represent किया जाता है। Meta-data का मतलब data के बारे में data होता है। अगर आसान शब्दों में कहें तो <meta> tag HTML document के बारे में information provide करता है।  
  
<meta> tag का content web page में display नहीं होता है। Meta-data browsers और search engines द्वारा use किया जाता है। <meta> tags के माध्यम से search engines और browsers web page के बारे में जानकारी प्राप्त करते है।  
  
उदाहरण के लिए search engines <meta> tag द्वारा web page के author के बारे में जानकारी प्राप्त करते है और web browser <meta> tag द्वारा viewport जैसी information प्राप्त करते है जिससे उन्हें web page को सही ढंग से present करने में मदद मिलती है।  
  
<meta> tags द्वारा निचे दी गयी information provide की जा सकती है।

* Description - <meta> tag द्वारा आप web page का description provide कर सकते है। यह description search engines द्वारा search results में show किया जाता है। जब आपका web page search results में show होता है तो page title के निचे यही description show होता है। यदि आप <meta> tag द्वारा description define नहीं करते है तो search engines article के शुरू की कुछ lines को description के रूप में use करते है।
* Keywords - अपने web page से संबधित keywords की जानकारी आप <meta> tag द्वारा search engines को provide कर सकते है। Keywords search results में ranking के लिए महत्वपूर्ण होते है। Keywords से search engines को पता चलता है की किसी particular page पर किस topic से related information provide की गयी है।
* Author - Web page के author की जानकारी भी <meta> tag द्वारा provide की जाती है।
* Last Modified - Web page को आखिरी बार कब modify किया गया था यह जानकारी भी आप <meta> tag द्वारा provide कर सकते है।
* Character Set - Document में use होने वाले character encoding की जानकारी भी आप <meta> tag द्वारा provide कर सकते है।

<meta> tag Search Engine Optimization (SEO) के दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही <meta> tag द्वारा आप अलग अलग sizes की screens पर अपने web page की presentation को control कर सकते है।  
<meta> tag के बारे में एक महत्वपूर्ण बात ये है की इसे हमेशा head tag में ही define किया जाता है।

**Syntax of HTML <meta> Tag**

निचे HTML <meta> tag का general syntax दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <meta attribute="value"> |

HTML में <meta> tag का कोई end tag नहीं है। लेकिन यदि आप XHTML में coding कर रहे है तो आपको इसे ending tag से close करना होगा।

**Attributes of HTML <meta> Tag**

<meta> tag के साथ available attributes के बारे में निचे बताया जा रहा है।

* charset - इस attribute द्वारा document की character encoding define की जाती है।
* content - इस attribute द्वारा name और http-equiv attributes की value define की जाती है।
* http-equiv - इस attribute से content attribute द्वारा define की गयी information के लिए आप header provide करते है। इस attribute की content-type, default-style और refresh possible values हो सकती है।
* name - इस attribute द्वारा meta-data का नाम define किया जाता है। इस attribute की application-name, author, description, viewport, keywords और generator possible values हो सकती है।

<meta> tag के scheme attribute को HTML5 में remove कर दिया गया है। <meta> tag सभी global attributes को भी support करता है।

**Example**

निचे <meta> tag द्वारा web page का author और description define करने का उदाहरण दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html> <head> <meta name="author" content="Vipin Sharma"> <meta name="description" content="Learn about HTML meta tag in Hindi."> </head>  <body> <h1>Introduction to HTML</h1> <p>HTML is very easy language. One can learn it easily and use it quickly. If you want to learn HTML in Hindi then please visit Best Hindi Tutorials.</p> </body>  </html> |

**Introduction to HTML <hr> Tag**

HTML में <hr> tag thematic break (विषय अंतराल) को दर्शाने के लिए use किया जाता है। यह tag एक horizontal line generate करता है जिसे अलग अलग विषयों को separate करने के लिए use किया जा सकता है। इसे HTML में horizontal rule भी कहा जाता है।  
  
HTML5 में <hr> tag thematic break को define करता है और पुराने versions में यह horizontal rule (line) create करने के लिए use किया जाता था।  
  
उदाहरण के लिए आप कोई story लिख रहे तो उस story में किसी दृश्य के बदलाव को आप <hr> tag द्वारा separate करके लिख सकते है। यदि आप कोई article लिख रहे है जिसमें आप अलग अलग विषयों पर अपने विचार दे रहे है तो उन विषयों को भी आप <hr> tag द्वारा separate कर सकते है।  
  
हालाँकि <hr> tag HTML5 में भी horizontal line generate करता है लेकिन HTML5 में इसके अर्थ (separating content change) पर ज़ोर दिया गया है और पुराने versions में इस tag के presentation (drawing line) पर ज़ोर दिया गया था।  
  
<hr> tag को <section> tag के साथ confuse नहीं किया जाना चाहिए। <hr> tag एक article के अलग अलग topics को separate करता है। जबकि <section> tag एक web page में अलग अलग sections define करने के लिए use किया जाता है।

**Syntax of HTML <hr> Tag**

<hr> tag का general syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <hr> |

जैसा की आप ऊपर दिए गए syntax में देख सकते है <hr> tag का कोई end tag नहीं होता है। यह एक empty tag होता है। लेकिन यदि आप इसका प्रयोग XHTML में कर रहे है तो इसे आपको इस प्रकार close करना होता है।

|  |
| --- |
| <hr /> |

XHTML में आप opening tag में ही forward slash लगा देते है जो opening और ending दोनों ही tags को दर्शाता है।

**Attributes of HTML <hr> Tag**

<hr> tag के 4 element specific attributes है। लेकिन इन attributes को HTML5 में disable कर दिया गया है।

* align - इस attribute द्वारा आप <hr> tag का alignment set कर सकते है। इस attribute की left, centre और right तीन possible values हो सकती है।
* noshade - इस tag के द्वारा आप define कर सकते है की <hr> tag सिर्फ एक ही color में show हो और कोई shade ना use की जाए। इस attribute की value आप noshade ही define करते है।
* size - इस attribute द्वारा आप <hr> tag की height define कर सकते है। इसकी value आप pixels में define करते है।
* width - इस attribute द्वारा आप <hr> tag की width define करते है। इसकी value भी आप pixels में ही define करते है।

<hr> tag सभी HTML versions में सभी global और event attributes को support करता है।

**Example of HTML <hr> Tag**

<hr> tag का उदाहरण निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html> <head> <title>hr tag Demo</title> </head>  <body>  <h1>hr tag Demo</h1>  <article> This is first part of article and I am talking about fruits here. <hr> This is second part of article and I am talking about cars here. <hr> This is another part of article and I am talking about different topic here. </article> </body>  </html> |

ऊपर दिया गया उदाहरण निचे दिया गया output generate करता है।

**Introduction to HTML <!DOCTYPE>**

HTML में <!DOCTYPE> कोई tag नहीं है। इसे document type declaration कहा जाता है। जैसा की आप इसके नाम से अंदाजा लगा सकते है, यह document के type के बारे में जानकारी provide करता है। यह जानकारी interpreter को webpage को बेहतर organize करने में मदद करती है।  
  
एक <!DOCTYPE> declaration किसी HTML document में use किये गए HTML version की जानकारी interpreter को provide करता है। कई browsers पुराने HTML versions को support नहीं करते है इसलिए जब भी आप कोई HTML document create करते है तो उसमे <!DOCTYPE> declaration से interpreter को बताते है की आप HTML का कौनसा version use कर रहे है।  
  
जब भी किसी HTML document को webpage के रूप में render किया जाता है तो सबसे पहले validators द्वारा यह check किया जाता है की HTML document valid है या नहीं। HTML के हर version को validate करने के लिए different validator use किया जाता है। <!DOCTYPE> declaration से validator को पता चल जाता है की HTML document को किस HTML version से match करना है। यदि validators document को validate नहीं कर पाते है तो आपको webpage show नहीं होता है।  
  
जब भी आप किसी HTML document में <!DOCTYPE> declare करे तो वह HTML document की सबसे first line होनी चाहिए।

**Syntax of HTML <!DOCTYPE>**

HTML के हर version में <!DOCTYPE> को अलग प्रकार से declare किया जाता है। इनके बारे में निचे बताया जा रहा है।

**HTML5 <!DOCTYPE> Declaration**

HTML5 में <!DOCTYPE> को बहुत ही simple बना दिया गया है।

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE html> |

**HTML 4.01 <!DOCTYPE> Declaration**

HTML version 4.01 में <!DOCTYPE> को 3 modes (Transitional, Frameset, Strict) में define किया जाता है। ये modes बताते है की  
  
Transitional mode में HTML के सभी elements allowed होते है, लेकिन इस mode में frame-set allowed नहीं होते है।

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE HTML PUBLIC "-//W3C DTD HTML 4.01 Transitional//EN" "http://www.w3.org/TR/html4/loose.dtd"> |

Frameset mode भी transitional mode की तरह ही होता है लेकिन इसमें framesets allowed होते है।

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE HTML PUBLIC "-//W3C DTD HTML 4.01 Frameset//EN" "http://www.w3.org/TR/html4/frameset.dtd"> |

Strict mode में HTML के presentational elements और framesets को छोड़कर बाकी सभी elements allowed होते है।

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE HTML PUBLIC "-//W3C DTD HTML 4.01 //EN" "http://www.w3.org/TR/html4/strict.dtd"> |

**XHTML 1.0 <!DOCTYPE> Declaration**

HTML4 की ही तरह XHTML में भी <!DOCTYPE> 3 modes में declare किया जाता है। इन modes पर XHTML में भी वे ही rules apply होते है जो की HTML4 में होते है लेकिन इनका syntax different होता है। इन सभी modes के syntax निचे दिए जा रहे है।

Transitional

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE html PUBLIC "-//W3C// DTD XHTML 1.0 Transitional//EN" "http://www.w3.org/TR/xhtml1/DTD/xhtml1-transitional.dtd"> |

Frameset

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE html PUBLIC "-W3C//DTD XHTML 1.0 Frameset//EN" "http://www.w3.org/TR/xhtml1/DTD/xhtml1-frameset.dtd"> |

Strict

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE html PUBLIC "-W3C//DTD XHTML 1.0 Strict//EN" "http://www.w3.org/TR/xhtml1/DTD/xhtml1-strict.dtd"> |

**Example of <!DOCTYPE>**

HTML में <!DOCTYPE> के use का एक simple उदाहरण निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE html>  <html> <head> <title>DOCTYPE Demo</title> </head>  <body>  <h1>Example of HTML DOCTYPE</h1>  </body>   </html> |

**Introduction to HTML <br> Tag**

HTML में <br> tag को किसी text या paragraph में line को break करने के लिए use किया जाता है। ये tag उन situations के लिए महत्वपूर्ण है जिनमें line break का महत्व होता है। उदाहरण के लिए कोई poem या address लिखते समय text line को break करने के लिए आप इस tag को use कर सकते है।  
  
HTML <br> tag को lines या paragraphs के बीच gap बढ़ाने के लिए नहीं use किया जाना चाहिए। इसके लिए या तो आप अलग अलग paragraph tags use कर सकते है नहीं तो इसके लिए आपको CSS margin property को use करना चाहिए।  
  
HTML5 में इसी tag का एक advanced version introduce किया गया है जिसे <wbr> tag के नाम से जाना जाता है। जँहा <br> tag के द्वारा text line को break किया जाता है वँही <wbr> tag द्वारा आप browser को suggest कर सकते है की यदि screen size कम हो तो text line को कँहा break किया जाना चाहिए।  
  
<wbr> tag के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया [HTML5 <wbr> tag in Hindi](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-tag_28.html) tutorial पढ़े।

**Syntax of HTML <br> Tag**

HTML में <br> tag को define करने का general syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| some-text <br> some-text |

जैसे की आप ऊपर दिए गए syntax में देख सकते है <br> tag को text के बीच में define किया जाता है यह एक inline tag है। HTML में <br> tag का कोई end tag नहीं होता है। यह एक empty tag होता है।  
  
XHTML में <br> tag को अलग प्रकार से define किया जाता है। इसका syntax निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| some-text <br /> some-text |

जैसा की आप ऊपर दिए गया syntax में देख सकते है XHTML में <br> tag को self closing tag के रूप में define किया जाता है। इसका मुख्य reason यह है की XML किसी भी tag को open रखना allow नहीं करती है। इसलिए जब भी आप XHTML में <br> tag का प्रयोग करेंगे तो इसे self closing tag के रूप में define करेंगे।  
  
XHTML <br> tag का syntax HTML में भी allow है। इसलिए आपको XHTML का ही syntax use करना चाहिए क्योंकि यह दोनों में allow है और इससे confusion नहीं होता है।

**Attributes of HTML <br> Tag**

HTML <br> tag सभी global attributes जैसे की id, class आदि को support करता है।

**Example of HTML <br> Tag**

निचे HTML में <br> tag के use को निचे उदाहरण द्वारा समझाया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head> <title>HTML br tag Demo</title> </head>  <body>  <p> Twinkle twinkle little star, <br>How I wonder what you are<br>Up above the world so high<br>Like a diamond in the sky</p>  </body>  </html> |

ऊपर दिया गया उदाहरण निचे दिया गया output generate करता है।

**Introduction to HTML <base> Tag**

HTML <base> tag द्वारा किसी HTML document के सभी URLs के लिए base URL specify किया जाता है। इसके बाद आपको पूरा URL लिखने के लिए आवश्यकता नहीं होती है। जब भी आप कोई URL add करते है तो base URL उस URL से पहले automatically prefix कर दिया जाता है।  
  
उदाहरण के लिए मान लीजिये आपकी images web-files directory में है जिसका address c:/documents/web-files है। जब भी आप कोई image add करेंगे तो आपको पूरा address define करना होगा। जैसा की निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <img src="c:/documents/web-files/myImage.png"> |

इसी प्रकार आप जितनी images add करेंगे उन सबके लिए भी आपको पूरा address specify करना होगा। लेकिन यदि आप web-files directory के address को base url के रूप में define कर दे तो आपको images को add करने के लिए पूरा URL लिखने की आवश्यकता नहीं होगी। जैसा की निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <img src="myImage.png"> |

Document में specify की गयी सभी links base URL से relative हो जाती है। Base url को page में सबसे ऊपर define किया जा सकता है और बाकी की links को आप short forms में use कर सकते है।  
  
HTML <base> tag को use करके document में code को reduce किया जाता है। इससे code को समझने में आसानी भी होती है।  
  
HTML <base> tag का मुख्य drawback यह है की एक बार इसे define करने के बाद आप bound हो जाते है क्योंकि सभी links के पहले यह automatically prefix हो जाता है। यदि आप किसी दूसरी location से कोई image या file add करना चाहे तो ऐसा करना सम्भव नहीं है।  
  
<base> tag को HTML5 में भी include किया गया है। इसके द्वारा आप सभी URLs के लिए base URL define करते है और इसके अलावा आप सभी links के लिए target भी set कर सकते है।

**Syntax of HTML <base> Tag**

निचे <base> tag का general syntax दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <base href="base-url" target="\_blank"> |

एक <base> tag में या तो href या target attribute define किया जाना आवश्यक होता है। <base> को बिना attribute के नहीं define किया जा सकता है।  
  
HTML में <base> tag का कोई end tag नहीं होता है। यह एक empty tag है। लेकिन यदि आप इसे XHTML में use कर रहे है तो इसे </base> end tag द्वारा close किया जाना आवश्यक है।  
  
<base> tag को पुरे document में एक ही बार define किया जाना चाहिए। इसे हमेशा <head> tag के अंदर ही define किया जाना चाहिए।

**Attributes of HTML <base> Tag**

<base> tag के साथ 2 attributes available है। इनके बारे में निचे बताया जा रहा है।

* href - इस attribute द्वारा base URL specify किया जाता है। URL को double quotes में लिखा जाता है।
* target - इस attribute द्वारा आप links का target define करते है। इस attribute की निचे दी गयी values define की जा सकती है।
  + \_blank - जब आप link को नयी window में open करना चाहते है तो target \_blank define करते है।
  + \_self - जब आप link को current window में ही open करना चाहते है तो target \_self define करते है।
  + \_parent - जब आप link को parent container में open करना चाहते है तो target \_parent define करते है।

HTML <base> tag global और event attributes को भी support करता है।

**Example of HTML <base> Tag**

HTML <base> tag का उदाहरण निचे दिया जा रहा है।

|  |
| --- |
| <html>  <head>  <title>HTML base tag Demo</title> <base href="c:/documents/web-files"> </head>  <body> <img src="myImage.png"> </body>  </html> |

**Introduction to HTML5**

Web development के क्षेत्र में HTML बहुत ही महत्वपूर्ण language है। जब भी कोई web development के क्षेत्र में कदम रखता है तो उसे सबसे पहले HTML से ही रूबरू होना पड़ता है। HTML बहुत ही simple language है, जिसे आसानी से सीखा जा सकता है। इसकी simplicty के कारण ही HTML शुरआत से एक popular language रही है।

आज के युग में technology बहुत तेज़ी से बदल रही है। इसलिए HTML को समय के साथ नयी requirments को fullfil करने के लिए कई बार upgrade किया गया है। अब तक HTML के 5 version आ चुके है।  
  
HTML5 HTML का latest version है। HTML5 को October 2014 में world wide web consortium द्वारा publish किया गया था। इसे multimedia support के साथ upgrade किया गया है। ये real world problems को solve करने के लिए pragmatic approach use करती है।

**Features of HTML5**

HTML5 के ऐसे बहुत से features जो इसे पुराने versions से बेहतर बनाते है इनके बारे में निचे दिया जा रहा है।

**HTML5 is Simple**

HTML के 5th version में HTML को और भी simple बनाने का प्रयास किया गया है। उदाहरण के लिए HTML5 से पहले DOCTYPE declaration इस प्रकार लिखा जाता था।

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE HTML PUBLIC "-//w3c//DTD HTML 4.01 Transitional//EN "http://www.w3.org/TR/html4/loose.dtd"> |

जैसा की आप देख सकते है इसे लिखना और याद रखना काफी मुश्किल है। HTML5 में इसे simplify कर दिया गया है। अब आप इसे इस प्रकार लिखते है। 

|  |
| --- |
| <!DOCTYPE html> |

HTML5 में character set define करना भी simple बना दिया गया है। HTML5 से पहले आप इस प्रकार character set define करते थे।

|  |
| --- |
| <meta http-equiv="Content-Type" content="text/html"; charset=utf-8"> |

DOCTYPE declaration की तरह ही इसे भी define करना बहुत complex है। HTML में character set को को define करना simple कर दिया गया है। अब आप इसे इस प्रकार define करते है।

|  |
| --- |
| <meta charset=utf-8> |

HTML5 में script के use को कम करने के लिए भी कुछ new changes किये गए है। उदाहरण के लिए अब तक आप form में user को कोई value enter करने के लिए कई lines की complex script के द्वारा force करते थे। HTML5 में form elements के लिए required attribute add किया गया है। जिन elements पर आप ये validation perform करना चाहते है उन्हें required define कर सकते है। ऐसा करने से यदि user कोई value enter नहीं करता है तो उसे message शो होता है।

|  |
| --- |
| <input type="text" name="userName" required> |

**HTML5 is Universal**

HTML5 almost सभी दूसरी language के साथ work कर सकती है। इसके लिए आपको किसी भी प्रकार की external functionallity की आवश्यकता नहीं होती है। ये support HTML5 में built in है। उदाहरण के लिए ruby के साथ आसानी से work करने के लिए HTML5 में नया <ruby> element define किया गया है।

**With HTML5 Less Plugins Are Required**

HTML5 में ऐसे कई features के लिए built in support provide किया गया है जिनके लिए पहले plugins की requirement होती थी। उदाहरण के लिए online video play करने के लिए flash की requirement होती है। हालाँकि कई browsers में ये built in भी आते है। लेकिन HTML5 में flash के लिए built in support provide किया गया है।

**HTML5 is Secure**

HTML5 में built in security features provide किये गए है। HTML5 origin based security use करती है। Data sharing को secure बनाने के लिए HTML5 में secure cross-origin sharing ability है।

**New HTML5 Elements**

HTML5 में अलग अलग categories के कई नए elements को add किया गया है। इनके बारे में निचे दिया जा रहा है।

**Semantic Elements**

इन्हें layout elements भी कहा जाता है। ये web page का layout define करने के लिए use किये जाते है।

* [<article>](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-article-tag.html)
* [<aside>](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-tag.html)
* [<figure>](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-figure-tag.html)
* [<header>](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-header-tag.html)
* [<details>](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-details-tag.html)
* [<wbr>](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-tag_28.html)
* [<time>](http://www.besthinditutorials.com/2017/06/html5-in-hindi-time-tag.html)
* [<meter>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-meter-tag.html)
* [<section>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-section-tag.html)
* [<nav>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-nav-tag.html)
* <figcaption>
* [<footer>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-footer-tag.html)
* <summary>
* <hgroup>
* [<mark>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html-5-in-hindi-mark-tag.html)
* [<ruby>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-ruby-tag.html)
* <rp>
* <rt>
* [<main>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-main-tag.html)

**Multimedia Elements**

ये elements web page में multimedia (audio, video आदि) support के लिए होते है।

* <audio>
* <video>
* [<source>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-tag.html)
* [<track>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-track-tag.html)
* [<embed>](http://www.besthinditutorials.com/2016/09/html-in-hindi-embed-tag.html)

**Graphic Elements**

Graphic elements web page में graphics add करने के लिए use किये जाते है।

* [<canvas>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-canvas-tag.html)
* [<svg>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-svg-tag.html)

**Form Elements**

Forms को और भी बेहतर बनाने के लिए HTML5 में कई नए form elements provide किये गए है।

* [<datalist>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-datalist-tag.html)
* [<keygen>](http://www.besthinditutorials.com/2017/07/html5-in-hindi-keygen-tag.html)
* [<output>](http://www.besthinditutorials.com/2017/08/html5-in-hindi-output-tag.html)

HTML5 में कई नए input types include किये गए है।

* color
* date
* datetime
* datetime-local
* email
* month
* number
* range
* search
* tel
* time
* url
* week

Input types के साथ ही कुछ नए form attributes भी HTML5 में include किये गए है।

* autocomplete
* autofocus
* formaction
* formmethod
* formnovalidate
* formtarget
* list
* max
* min
* multiple
* novalidate
* pattern
* placeholder
* readonly
* required
* spellcheck
* step

**Excluded Elements From HTML5**

HTML5 में prior version के कुछ elements को exclude कर दिया गया है।

* <acronym>
* <applet>
* <basefont>
* <big>
* <center>
* <dir>
* <font>
* <frame>
* <frameset>
* <noframes>
* <strike>
* <tt>

**New HTML5 API's**

HTML5 में कुछ नए application program interfaces को include किया गया है।

* High Resolution Time API
* User Timing API
* Navigation Timing API
* Network Information API
* Vibration API
* Battery Status API
* Page Visibility API
* Fullscreen API
* getUserMedia API
* WebSocket API
* Geolocation API
* Drag and Drop API
* Local Storage API
* Application Cache API
* Web Workers API
* HTML SSE